(च) प्रेम अपने उच्चतर स्थान पर पहुँचकर देवत्व से मिल जाता है । जालपा को अब कोई शंका नहीं है । इस प्रेम को पाकर वह जन्म-जन्मांतरों तक सौभाग्यवती रहेगी । इस प्रेम ने उसे वियोग, परिस्थिति और मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया-उसे अभय प्रदान कर दिया । इस प्रेम के सामने अब सारा संसार और इसका अखंड वैभव तुच्छ है ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के सविस्तार उत्तर दीजिए । प्रत्येक खंड से एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्य है : **3×12=36**

(क) (i) 'सेवासदन' उपन्यास के नामकरण पर प्रकाश डालिए ।

(ii) प्रेमचंद की नारी-भावना पर सारगर्भित निबंध लिखिए ।

(iii) 'सेवासदन' उपन्यास की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

(ख) (i) 'कर्बला' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(ii) प्रेमचंद की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए ।

(iii) 'कर्बला' नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए ।

Subject Code—52805

M. A. EXAMINATION

(Re-appear) (Batch 2017-2019)

(First Semester)

HINDI

Hi-105

5, P Addm. Premchand (Elective Subject)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) जालपा के लिए इन चीजों में लेशमात्र भी आकर्षण न था । हाँ, वह वर को एक आँख देखना चाहती थी, वह भी सबसे छिपाकर । पर उस भीड़-भाड़ में ऐसा अवसर कहाँ । द्वारचार के समय उसकी सखियाँ उसे छत पर खींच ले

गयीं और उसने रमानाथ को देखा । उसका सारा विराग, सारी उदासीनता मानो छूमंतर हो गई । मुँह पर हर्ष की लालिमा आ गई । अनुराग स्फूर्ति का भंडार है ।

(ख) आधी रात बीत चुकी थी । चंद्रमा चोर की भाँति एक वृक्ष की आड़ से झांक रहा था । जालपा पति के गले में हाथ डाले हुए निद्रा में मग्न थी । रमा मन में विकट संकल्प करके धीरे से उठा, पर निद्रा की गोद में सोये हुए पुष्प प्रदीप ने उसे अस्थिर कर दिया । वह एक क्षण खड़ा मुग्ध नेत्रों से जालपा के निद्रा विहासित मुख की ओर देखता रहा । कमरे में जाने का साहस न हुआ । फिर लेट गया ।

(ग) आँसुओं के आवेग से जालपा की आवाज रुंध गई । उसका सिर झुक गया और झुकी हुई आँखों से आँसुओं की बूँदे अंचल पर गिरने लगीं। एक क्षण में उसने स्वर को संभालकर कहा-मुझसे बड़ा भारी अपराध हुआ है । जो चाहे सजा दो, पर मुझसे अप्रसन्न मत हो । ईश्वर जानते हैं तुम्हारे जाने के बाद मुझे कितना दु:ख हुआ । मेरी कलम से न जाने कैसे ऐसी बातें निकल गईं ।

(घ) रमा दिल में काँप रहा था, कहीं जालपा यह प्रश्न न कर बैठे। आखिर उसने यह प्रश्न पूछ ही लिया । उस वक्त भी यदि रमा ने साहस करके सच्ची बात स्वीकार कर ली होती तो शयद उसके संकटों का अंत हो जाता । जालपा एक मिनट अवश्य सन्नाटे में आ जाती । संभव है, क्रोध और निराशा के आवेश में दो-चार कटु शब्द मुँह से निकालती, लेकिन फिर शांत हो जाती । दोनों मिलकर कोई न कोई युक्ति सोच निकालते ।

(ङ) ''तुम देवता भी होते तो शंका होती, तुम तो आदमी हो । मुझे तो कोई ऐसी स्त्री नहीं मिली जिसने अपने पति की निष्ठुरता का दुखड़ा न रोया हो । साल-दो साल तो वह खूब प्रेम करते हैं, फिर न जाने क्यों उन्हें स्त्री से अरुचि-सी हो जाती है । मन चंचल होने लगता है । औरत के लिए इससे बड़ी विपत्ति नहीं । उस विपत्ति से बचने के सिवा मैं और क्या वरदान माँगती ।''

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर **250-250** शब्दों में दीजिए : **5×3=15**

(i) प्रेमचंद का जीवन-दर्शन क्या था ?

(ii) प्रेमचंद की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

(iii) 'गबन' उपन्यास में जालपा के चरित्र की तीन विशेषताएँ बताइए ।

(iv) क्या 'सेवासदन' उपन्यास वेश्यावृत्ति की समस्या का सटीक समाधान प्रस्तुत करता है ?

(v) 'कर्बला' नाटक की भाषा पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'कर्बला' नाटक के संवाद तत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

(vii) 'हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द्र और कर्बला' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(viii) 'कर्बला' नाटक के अनुसार हुसैन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

(ix) प्रेमचंद की संपादन कला पर प्रकाश डालिए।

(x) प्रेमचंद के उपन्यासों में युगबोध स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए : **8×1=8**

(i) 'गबन' की नायिका जालपा के पिता का नाम बताइए ।

(ii) 'सेवासदन' उपन्यास में सुमन के पिता का क्या नाम था ?

(iii) प्रेमचंद के अधूरे उपन्यास का नाम बताइए ।

(iv) प्रेमचंद का देहांत कब हुआ ?

(v) 'कर्बला' में हुसैन के नाना का क्या नाम था ?

(vi) 'कर्बला' नाटक का सृजन वर्ष बताइए ।

(vii) 'कर्बला' नाटक में अंत में किस पात्र द्वारा हुसैन की हत्या की गई ?

(viii) 'सेवासदन' उपन्यास में भोली नामक पात्रा का क्या व्यवसाय था ?